भारत सरकार

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय

कृषि सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1608

02 जुलाई, 2019 को उत्तरार्थ

विषय:खाद्यान्न उत्पादन पर सूखे का प्रभाव

1608. श्री सैयद इम्तियाज़ ज़लीलः

श्री असादुद्दीन ओवैसीः

क्या कृषि और किसान कल्याण मंत्री यह बतानेकी कृपा करेंगे किः

(क) क्या जून में मानूसन के विलंब से आगमनऔर वर्षा के सामान्य से कम रहने की संभावना हैऔर देश के विभिन्न राज्यों में सूखे की गंभीरस्थिति है;

(ख) यदि हां, तो मानूसन में विलंब से खरीफफसल की बुवाई किस स्तर तक प्रभावी होगी;

(ग) मानसून में विलंब के कारण देश केविभिन्न भागों में कृषि उत्पादन में कितनी कमी आने की संभावना है;

(घ) क्या सरकार ने इन कारणों से खाद्यान्नउत्पादन में अनुमानित कमी का आकलन किया है;और

(ङ) यदि हां, तो सरकार द्वारा खाद्यान्न उत्पादनमें कमी को दूर करने हेतु क्या प्रयास किए जा रहेहैं?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री

(श्री नरेंद्र सिंह तोमर)

(क) और (ख) भारतीय मौसम विज्ञान विभाग द्वारा जारी दूसरे दीर्घावधि वर्षा पूर्वानुमान के अनुसार मानसून 2019 के दौरान पूरे देश में आम तौर पर सामान्य वर्षा की संभावना है। सामान्य फसल उत्पादन के लिए वर्षा का उचित वितरण अधिक महत्वपूर्ण है।कृषि की दृष्टि से किन्हीं क्षेत्रों में सूखे जैसी स्थिति का निर्धारण करना जल्दबाजी होगी। इसके अतिरिक्त, अभी तक, किसी राज्य सरकार ने खरीफ 2019 मौसम के दौरान राष्ट्रीय आपदा मोचन नीधि (एनडीआरएफ) से वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए कोई ज्ञापन प्रस्तुत नहीं किया है। तथापि, सरकार ने किसी विपरीत वर्षा स्थिति से निपटने के लिए आपात योजना तैयार की है।

(ग) से (ड.) खरीफ फसलों के उत्पादन का पहला आधिकारिक अनुमान सामान्यत: सितम्बर में जारी किया जाता है। इसलिए, वर्तमान मौसम के लिए खरीफ फसलों के उत्पादन का अनुमान लगाना जल्दबाजी होगी।

*****